This question paper contains **16** printed pages]

Your Roll No .....

7939

LL.B./IV Term **E**

Paper LB-4032 – LABOUR LAW–II

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

Are the decisions/orders passed by the following authorities (as constituted under the Industrial Disputes Act, 1947) appealable under Article 136 of the Constitution before the Supreme Court ?

(*i*) Industrial Tribunal

(*ii*) Arbitrator

(*iii*) Conciliation officer

Give reasons.

क्या निम्नलिखित प्राधिकरणों (औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत यथागठित) द्वारा किए गए विनिश्चय/पारित आदेश उच्चतम न्यायालय के समक्ष संविधान के अनुच्छेद 136 के अधीन अपीलयोग्य हैं ?

(*i*) औद्योगिक अधिकरण

(*ii*) मध्यस्थ.

(*iii*) सुलह अधिकारी।

कारण प्रस्तुत कीजिए।

2. The appropriate Government referred an industrial dispute to a Labour Court under the Industrial Disputes Act, 1947. The term of reference was :

"Whether the lockout declared by the management of X Mills and the strike by its workers are legal and justified and whether the workmen are entitled to wages for the said period ?"

In the proceedings before the Labour Court the management contended that the dispute referred was not an industrial dispute as it had closed down the Mill and that it should be permitted to lead evidence to establish their bonafides relating to closure. The workers contested, contenating that

P.T.O.

the Labour Court had no jurisdiction to go into the question of closure as the same had not been referred to it. Discuss and decide.

समुचित सरकार ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत एक औद्योगिक विवाद श्रम न्यायालय को निर्दिष्ट किया। निर्देश निबंधन था :

"क्या X मिल के प्रबन्धकों द्वारा घोषित तालाबन्दी और कर्मकारों द्वारा घोषित हड़ताल वैध और न्यायोचित हैं तथा क्या कर्मकार उक्त अवधि हेतु मजदूरी के हकदार हैं" ?

श्रम न्यायालय के समक्ष कार्यवाहियों में प्रबन्धकों ने प्रतिवाद किया कि निर्दिष्ट विवाद कोई औद्योगिक विवाद नहीं है, क्योंकि उन्होंने मिल बन्द कर दिया था तथा उन्हें बन्दी के सम्बन्ध में उनकी सद्भाविकता को स्थापित करने के लिए

साक्ष्य प्रस्तुत करने की अनुमति दी जानी चाहिए। कर्मकारों ने यह प्रतिवाद करते हुए प्रतिविरोध किया कि श्रम न्यायालय को बन्दी के प्रश्न में जाने का क्षेत्राधिकार नहीं है, क्योंकि यह उसको निर्दिष्ट नहीं किया गया था।

विवेचन तथा विनिश्चय कीजिए।

3. "There is a diffused spectrum of judicial dicta dealing with the various aspects of the application of the principle of res-judicata to the orders and awards of the industrial adjudicators. However, the latest judicial trend shows that the effect of the principle on such orders and awards has been considerably whittled down, and it appears to have lost much of its efficacy." Elucidate.

"औद्योगिक न्यायनिर्णायकों के आदेशों तथा अधिनिर्णयों पर पूर्वन्याय के सिद्धान्त की अनुयोज्यता के विभिन्न पक्षों से डील करने वाली न्यायिक अभ्युक्तियों का प्रसारित प्रतिबिम्ब पड़ता है। किन्तु नवीनतम न्यायिक प्रवृत्ति दर्शाती है कि ऐसे आदेशों तथा अधिनिर्णयों पर उक्त सिद्धान्त का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में कम हो गया है तथा इसकी अपनी प्रभाविकता खोई-सी प्रतीत होती है।" व्याख्या कीजिए।

4. On account of Union rivalry, X, a workman in AB & Co., waylaid and assaulted Y, his supervisor in the plant (Y belongs to the rival Union) when the latter was returning home after the day's work, at a place on the roadside, 2 km away from the premises of AB & Co. Y reported the matter to the management the next day. Thereupon the manager instituted an enquiry against X for disciplinary action under the Standing orders.

In the meantime Y had already lodged a criminal complaint against X with the police, upon which the prosecution proceedings had commenced and was pending before the Magistrate. Now, before the enquiry officer, X refused to appear to defend the charges. But he wrote to the officer denying the charge of assault on Y and expressed desire to get the proceedings adjourned till the disposal of criminal case. Thereafter, the enquiry officer again informed X to appear before him to answer the charge. On that day X appeared before the officer but refused to answer the charge. Thereupon the enquiry officer found X guilty of misconduct and recommended dismissal. The management wrote to X discharging him from service.

P.T.O.

Suppose you are the judge and the matter is brought before you. Decide on the basis of principles involved.

Will it make any difference in your decision, if the meantime, the Criminal Court acquits X of the charge levelled against him ? Give reasons.

यूनियन प्रतिद्वन्द्विता के चलते AB & Co. के कर्मकार X ने संयंत्र में अपने सुपरवाइजर Y (Y का सम्बन्ध प्रतिद्वन्द्वी यूनियन से है।) पर घात लगाकर हमला कर दिया जब परवर्ती दिन के कार्य के बाद घर लौट रहा था। हमला AB & Co. के परिसर से 2 किमी दूर सड़क के किनारे एक स्थान पर किया गया था। Y ने अगले दिन मामले की रिपोर्ट प्रबन्धकों को दे दी। इस पर मैनेजर ने स्थायी आदेशों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्रवाई हेतु X के विरुद्ध जाँच संस्थित कर दी।

इसी दौरान Y ने X के विरुद्ध पुलिस के पास पहले ही दांडिक शिकायत कर दी थी जिस पर अभियोजन कार्यवाहियाँ शुरू हो गईं तथा मजिस्ट्रेट के सम्मुख लम्बित थी। अब X ने जाँच अधिकारी के सामने अपना आरोपों से बचाव करने के लिए हाजिर होने से मना कर दिया। पर उसने जाँच अधिकारी को Y पर हमला करने के आरोप को नकारते हुए और यह इच्छा व्यक्त करते हुए पत्र लिखा कि आपराधिक मामले के निपटान तक कार्यवाहियाँ आस्थगित की जाएँ। इसके बाद जाँच अधिकारी ने आरोप का उत्तर देने के वास्ते उसके सामने हाजिर होने के लिए पुनः सूचित किया। उस दिन X अधिकारी के सामने हाजिर हुआ पर आरोप का उत्तर देने से मुकर गया। इस पर जाँच अधिकारी ने X को कदाचार का दोषी पाया तथा उसकी बरखास्तगी की सिफारिश की। प्रबंधकों ने X को सेवा से हटाते हुए पत्र लिखा।

मान लो आप न्यायाधीश हैं तथा मामला आपके सम्मुख लाया जाता है। आवेष्टित सिद्धान्तों के आधार पर विनिश्चय कीजिए।

यदि इस दौरान दण्ड न्यायालय उसे उसके विरुद्ध लगाए गए आरोपों से बरी कर देता है, तो क्या आपके विनिश्चय में कोई फर्क पड़ेगा ? कारण लिखिए।

5. The management of XY and Co. dismissed an employee for misconduct without conducting a domestic enquiry. Industrial dispute relating to dismissal was referred to an Industrial Tribunal. In adjudication proceedings, the management wants to adduce evidence for the first time to prove misconduct and to this the Employees' Union objects on the ground that the proviso to Section 11-A of the I.D. Act, 1947 imposes restriction on taking 'any fresh evidence in relation to the matter'.

Will the Union succeed ? Discuss, explaining the extent and the nature of jurisdiction, which the Industrial Tribunal enjoys under Section 11-A w.r.t disciplinary action taken by the management.

XY & Co. के प्रबन्धकों ने आंतरिक जाँच किए बिना अवचार हेतु एक कर्मचारी को पदच्युत कर दिया। पदच्युति सम्बन्धी औद्योगिक विवाद औद्योगिक अधिकरण को निर्दिष्ट कर दिया गया। न्यायनिर्णयन कार्यवाहियों में प्रबंधक अवचार साबित करने के लिए पहली बार साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहते हैं जिस पर कर्मचारियों की यूनियन इस आधार पर आपत्ति करती है कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 11-A का परन्तुक 'इस मामले में कोई नया साक्ष्य' देने पर प्रतिबन्ध अधिरोपित करता है।

क्या यूनियन सफल होगी ? उस क्षेत्राधिकार की परिव्याप्ति तथा प्रकृति की व्याख्या करते हुए विवेचन कीजिए जिसका औद्योगिक अधिकरण प्रबन्धकों द्वारा की गई अनुशासनिक कार्रवाई के संदर्भ में धारा 11-A के अन्तर्गत उपभोग करता है।

6. Ram and his younger brother Shyam were employed as peons in the Faculty of Astrology. Shyam was attached to the Dean's office and was to work from 10 to 1 and 2 to 5 in the morning and evening respectively. Shyam knew driving well. As it happened, for a month the Dean's personal driver went on leave. During that period, the Dean asked Shyam to reach his house everyday at 9 a.m. to drive him to the Faculty. The Dean promised him to give reasonable monetary compensation for the services so rendered. On one of these

days while Shyam was driving the Dean's vehicle. he met with an accident and later succumbed to injuries in the hospital. The post mortem report revealed that at the time of the accident, he was under the influence of drink. His brother, Ram claims compensation from the Faculty for accidental injuries and consequent death.

Argue the case on behalf of Ram.

राम और उसका छोटा भाई श्याम ज्योतिषविज्ञान फैकल्टी में चपरासी के रूप में नियुक्त हैं। श्याम डीन के कार्यालय से सम्बद्ध था तथा उसे क्रमशः प्रातःकाल 10 से 1 बजे तक और सायंकाल 2 से 5 बजे तक कार्य करना पड़ता था। श्याम को ड्राइविंग अच्छी तरह आती थी। ऐसा हुआ एक मास के लिए डीन का वैयक्तिक ड्राइवर छुट्टी पर

चला गया। उस अवधि के दौरान डीन ने श्याम से उसके घर प्रतिदिन 9 बजे पूर्वाह्न उसे फैकल्टी ले जाने के लिए पहुँचने का कहा। डीन ने इस की जाने वाली सेवा के वास्ते युक्तियुक्त धनीय प्रतिकर उसे देने का उसको वचन दिया। एक दिन जब श्याम डीन का वाहन चला रहा था उसके साथ दुर्घटना हो गई तथा बाद में चोटों की वजह से उसकी अस्पताल में मृत्यु हो गई। शव परीक्षा रिपोर्ट से जानकारी मिली कि दुर्घटना के समय वह मद्य के नशे में था। उसका भाई राम दुर्घटनाजनित चोटों और पारिणामिक मृत्यु के वास्ते फैकल्टी से प्रतिकर का दावा करता है। इस केस में राम की ओर से तर्क प्रस्तुत कीजिए।

7. (*a*) "The contents of the expressions 'Living Wage', 'Fair Wage' and 'Minimum Wage' expand and vary in every expanding economy." Comment.

(*b*) Discuss the considerations for fixing wages in an organised sector.

(*a*) अभिव्यक्तियों—'निर्वाह मजदूरी', 'उचित मजदूरी' और 'न्यूनतम मजदूरी' की अन्तर्वस्तु प्रत्येक विकासशील अर्थव्यवस्था में विस्तृत तथा भिन्न होती रहती हैं।

(*b*) संगठित क्षेत्र में मजदूरी नियतन हेतु जिन बातों पर विचार किया जाता है, उनका विवेचन कीजिए।

8. Attempt any *two* of the following :

(*a*) 'The Payment of Wages Act, 1936 primarily concerns with inordinate delay in payment of wages and indiscriminate deductions in wages.' Comment.

(*b*) Distinction between the Institution of Conciliation and Board of Conciliation under the I.D. Act, 1947.

(*c*) Write a note on 'Protected Workmen' under the Industrial Disputes Act, 1947.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(*a*) मजदूरी संदाय अधिनियम, 1936 का प्रथमत: सरोकार मजदूरियों के संदाय में असाधारण विलम्ब और मजदूरियों में अंधाधुंध कटौतियों से है। टिप्पणी कीजिए।

(*b*) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत सुलह की संस्था और सुलह बोर्ड के बीच भेद स्पष्ट कीजिए।

(*c*) औद्यागिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत 'संरक्षित कर्मकार' पर टिप्पणी लिखिए।